NBT
नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली > शुक्रवार, 19 जनवरी 2018 > पौष 29 शक 1939 माघ शुक्ल 2 विक्रम 2074

एनबीटी ने तैयार किया सबसे अच्छा पैनल, हर गाइडेंस मिलेगी यहां

एनसीईआरटी की किताबें बिल्कुल ना छोड़ें

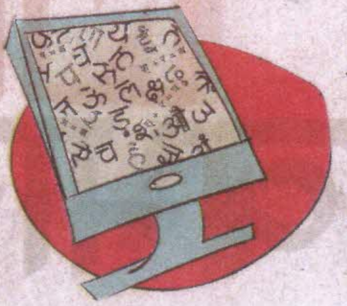

10वीं की हिंदी के बनें उस्ताद

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

10वीं के सभी स्टूडेंट्स इस बार बोर्ड एग्जाम देंगे, ऐसे में कुछ टेंशन है कुछ एक्साइटमेंट। 5 मार्च से 12वीं के साथ ही 10वीं क्लास के एग्जाम होंगे। हिंदी का पेपर शुरुआत में ही है, ऐसे में स्टूडेंट्स को इसमें फोकस करना जरूरी है। टीचर्स का कहना है कि हिंदी के पेपर में अच्छा स्कोर करने के लिए सबसे जरूरी है एनसीईआरटी की किताबें पढ़ना, क्योंकि इससे ही पद्यांश, गद्यांश और मूल्यपूरक सवाल आते हैं।

बना लें टाइमटेबल

टीचर्स का कहना है कि स्टूडेंट्स के पास अभी डेढ़ महीने हैं और हिंदी की तैयारी के लिए ये वक्त काफी है। पीतमपुरा के एमएम पब्लिक स्कूल की हिंदी टीचर पूनम कहती हैं, रिविजन के लिए इस वक्त टाइमटेबल बनाना जरूरी है। साथ ही, स्टूडेंट्स जितने सैंपल पेपर कर सकें, उतनी बढ़िया प्रैक्टिस होगी। स्टूडेंट्स यह भी ध्यान रखें कि टाइमर लगाकर सैंपल पेपर पूरा करें ताकि स्पीड की प्रैक्टिस पूरी तरह से रहे।

व्याकरण पर करें फोकस

टीचर्स का कहना है कि हिंदी के पेपर में चार सेक्शन आते हैं, इनमें से कोई भी स्टूडेंट्स पहले कर सकते हैं। पूनम कहती हैं, पूरी कोशिश करें कि चाहे कोई भी भाग पहले करें, मगर एक साथ उसे खत्म करें। इससे कॉपी चेक करने वाले को भी आसानी होती है और गलती होने का कोई डर नहीं होता।

उनका कहना है कि व्याकरण पर स्टूडेंट्स पूरी तरह से फोकस करें क्योंकि इससे 15 नंबर के सवाल पूछे जाते हैं, जिसमें पूरे नंबर आ सकते हैं। यह बहुत आसान होता है और स्टूडेंट्स 20 से 22 मिनट में इस सेक्शन को पूरा करा सकते हैं। इसके अलावा पाठ्यपुस्तक से मूल्यपूरक क्वेश्चन पर ध्यान दें, उससे 4 नंबर का सवाल आता है और यह बहुत आसान होता है। सप्लिमेंट्री किताब कृतिका जरूर पढ़ें।

तैयारी एग्जाम की

टीचर्स कहते हैं, एनसीईआरटी किताबें किसी भी हाल में ना छोड़ें। अक्सर कई स्टूडेंट्स रिफ्रेशर्स पढ़ते हैं और एनसीईआरटी को छोड़ देते हैं। इससे दिक्कत बढ़ जाती है क्योंकि गद्यांश और पद्यांश इसी से आते हैं और रिफ्रेशर्स वाले स्टूडेंट्स समझ ही नहीं पाते हैं कि हिस्सा किस चैप्टर से आया है।

काव्यांश में जरूर दें ध्यान

टीचर्स का कहना है कि काव्यांश से जुड़े सवाल करते हुए ध्यान जरूर दें। पूनम कहती हैं, काव्यांश में बच्चों के सबसे ज्यादा नंबर कटते हैं इसलिए इसमें ध्यान देना जरूरी है। काव्यांश दो बार जरूर पढ़ें और सोचें कि कवि क्या कह रहा है। ये मुश्किल नहीं होता, बस पूरा ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा अपठित गद्यांश में शब्दों की लिमिट पर पूरा ध्यान दें और हर सवाल में 6 से 7 लाइन से ज्यादा ना लिखें ताकि बाकी सवालों को भी वक्त मिल पाए।

निबंध, पत्र लेखन के लिए करें प्रैक्टिस

- निबंध में पॉइंट वाइज अपने विचार दें
- ऐड लेखने के लिए कलर्स का इस्तेमाल जरूर करें। जितना आकर्षण ऐड होगा उतने नंबर मिलेंगे।
- ऐड लेखन में स्लोगन जरूर लिखें।
- पत्र लेखन में औपचारिक और अनऔपचारिक लेटर का ऑप्शन होता है। औपचारिक में डेट, सब्जेक्ट, नाम की जगह सबके लिए फिक्स पॉइंट मिलते हैं। अगर इनका ध्यान नहीं है तो अनऔपचारिक लेटर लिखें।

वनिता सहगल
प्रिंसिपल
डीपीएस, आरके पुरम

अमिता वट्टल
प्रिंसिपल,
स्प्रिंगडेल्स स्कूल पूसा रोड

प्रियंका गुलाटी
प्रिंसिपल एवरग्रीन सी.सै स्कूल,
वसुंधरा एनक्लेव

रोमा पाठक
प्रिंसिपल, एमएम पब्लिक स्कूल,
पीतमपुरा

'हर सब्जेक्ट को रोजाना दें टाइम'

Q 10वीं के बोर्ड का टेंशन है। तैयारी कैसे करूं? -प्रियंका

पांच सब्जेक्ट हैं, सभी पर फोकस करें। टाइम मैनेजमेंट पर ध्यान दें। अब पढ़ाई पूरी हो चुकी है, तैयारी के लिए पांचों

Q मेरी बेटी 10वीं में इंग्लिश मीडियम में है। उसे मैथ्स में बहुत दिक्कत है। उसके 50% से ज्यादा मार्क्स नहीं आते है। उसे प्री बोर्ड में भी कहा गया है कि मैथ्स अच्छी